हमारी पुरातन ग्रामीण व्यवस्था सामाजिक स्थायित्व का पर्याय : प्रो.आरसी कुहाड़

महेंद्रगढ़| हरियाणा केंद्रीय विवि में बुधवार को 'मैटीरियल इंसपायर्ड एजुकेशन थ्रू साइंस, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट' विषय पर रिलायंस इंडस्ट्री के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट डॉ. वीके गुप्ता का लेक्चर आयोजित किया गया। विद्यार्थियों व शिक्षकों के लिए आयोजित इस लेक्चर का उद्देश्य स्थायित्व के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रेरित करना था। वीसी प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि आज वैश्विक मंच पर सस्टनेबिलिटी की बात हो रही है, जबकि इसका सबसे उम्दा उदाहरण पुरातन ग्रामीण व्यवस्था में उपलब्ध है। भारत में पुरातन काल में एक किसान के माध्यम से हम सामाजिक स्थायित्व का एक बेहतरीन उदाहरण प्राप्त कर सकते हैं।

विवि के प्रो. मूलचंद सभागार में आयोजित कार्यक्रम में वीसी प्रो. कुहाड़ ने कहा कि सस्टनेबिलिटी की परिभाषा एक लाइन में कहे तो ये एबिलिटी टू सस्टेन है। प्रोफेसर कुहाड़ ने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विवि ने इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए एक मल्टीडिसिप्लिनरी ग्रुप फोर प्रमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटीरियल्स का गठन किया है, जो इस दिशा में विवि के स्तर पर काम करेगा। चार सदस्यों वाले इस ग्रुप के सलाहकार प्रोफेसर एजे वर्मा, को-ऑर्डिनेटर डॉ.आरती यादव व सदस्य डॉ. प्रकाश कानू और डॉ. अविजीत प्रमाणित है। वीसी ने बुधवार को ग्रुप की औपचारिक घोषणा के साथ-साथ इसके माध्यम से पहले चरण में इस विषय को लेकर विशेषकर विवि के गोद लिए गांवों के लिए गांवों में जागरूकता फैलाने की दिशा में काम करने की बात कही। डॉ. वीके गुप्ता ने बताया कि किस तरह से शिक्षा के माध्यम से हम सस्टनेबिलिटी की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। इस प्रयास में उन्होंने विज्ञान, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट के महत्वपूर्ण रोल से भी अवगत कराया। कार्यक्रम में विवि के डीन, एकेडमिक अफेयर्स प्रोफेसर एजे वर्मा ने विश्व स्तर पर इस दिशा में जारी प्रयासों की चर्चा की। कार्यक्रम में मंच का संचालन शिक्षा विभाग की डॉ. आरती यादव ने किया ।

पुरातन ग्रामीण व्यवस्था सामाजिक स्थायित्व का पर्याय: आर.सी कुहाड़

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को 'मैटिरियल इंस्पायर्ड एजुकेशन थ्रर साइंस, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट' विषय पर रिलायंस इंडस्ट्री के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट डॉ. वी. के गुप्ता का लेक्चर आयोजित किया गया।

डॉ. वी. के गुप्ता ने बताया कि शिक्षा के माध्यम से हम सस्टेनबिलिटी की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। इस प्रयास में उन्होंने विज्ञान, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट के महत्वपूर्ण रोल से भी अवगत कराया। कुलपति प्रोफेसर आर.सी. कुहाड़ ने कहा कि आज वैश्विक मंच पर सस्टेनेबिलिटी की बात हो रही है जबकि इसका सबसे उम्दा उदाहरण पुरातन ग्रामीण व्यवस्था में उपलब्ध है। भारत में पुरातन काल में एक किसान के माध्यम से हम सामाजिक स्थायित्व (सोशल सस्टेनेबिलिटी) का एक बेहतरीन उदाहरण प्राप्त कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मूलचंद सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर कुहाड़ ने कहा कि सस्टेनेबिलिटी की परिभाषा एक लाइन में कहे तो ये एबीलिटी टू सस्टेन है। चार सदस्यों वाले इस ग्रुप के सलाहकार प्रोफेसर एजे वर्मा, को-ऑर्डिनेटर डॉ.आरती यादव व सदस्य डॉ. प्रकाश कानू और डॉ. अविजीत प्रमाणित है। कुलपति ने बुधवार को ग्रुप की औपचारिक घोषणा के साथ-साथ इसके माध्यम से पहले चरण में इस विषय को लेकर विशेषकर विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के लिए गांवों में जागरूकता फैलाने की दिशा में काम करने की बात कही।

हकेंविवि में विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़

महेंद्रगढ़। हकेंविवि में कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ विद्यार्थियों व शिक्षकों के लिए संबोधित करते। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीण व्यवस्था सामाजिक स्थायित्व का पर्याय

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को मेटिरियल इंस्पायर्ड एजुकेशन थ्रू साइंस, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट विषय पर रिलांइस इंडस्ट्री के सीनियर वाइंस प्रेसीडेंट डा. वीके गुप्ता का लेक्चर आयोजित किया गया। विद्यार्थियों व शिक्षकों के लिए आयोजित इस लेक्चर का उद्देश्य स्थायित्व (सस्टेनेबिलिटी) के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रेरित करना था। कुलपति प्रोफेसर आरसी कुहाड़ ने कहा कि आज वैश्विक मंच पर सस्टेनेबिलिटी की बात हो रही है जबकि इसका सबसे उम्दा उदाहरण पुरातन ग्रामीण व्यवस्था में उपलब्ध है। भारत में पुरातन काल में एक किसान के माध्यम से हम सामाजिक स्थायित्व सोशल सस्टेनेबिलिटी का एक बेहतरीन उदाहरण प्राप्त कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के प्रो. मूलचंद सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. कुहाड़ ने कहा कि सस्टेनेबिलिटी की परिभाषा एक लाइन में कहे तो ये एबीलिटी टू सस्टेन है। उन्होंने कि हरियाणा केंद्रीय विवि ने इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए एक मल्टीडिस्पिलनरी गुरप फोर प्रमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल्स का गठन किया है। जो इस दिशा में विश्वविद्यालय के स्तर पर काम करेगा।